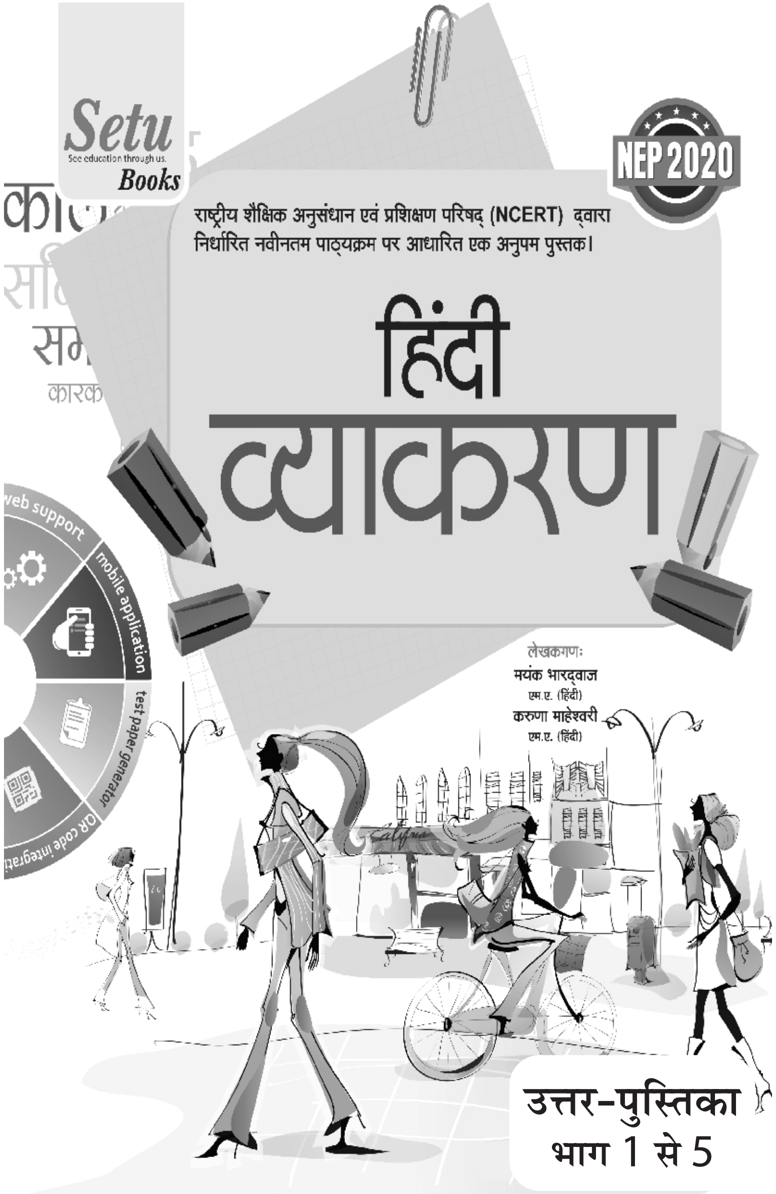

कक्षा-1

पाठ-1 : भाषा

संकलित मूल्यांकन

1. (क) हाँ (ख) लिखित और मौखिक (ग) हिंदी
   (घ) मौखिक (ङ) लिखित
2. (क) गुजरात-गुजराती (ख) तमिलनाडु-तमिल
   (ग) राजस्थान-राजस्थानी (घ) बंगाल-बांग्ला
   (ङ) पंजाब-पंजाबी
3. (क) भाषा वह साधन है जिसके द्वारा हम अपने मन में आए हुए विचारों को बोलकर अथवा लिखकर किसी के सामने प्रकट करते हैं।
   (ख) भाषा के दो रूप होते हैं—
   (i) मौखिक भाषा (ii) लिखित भाषा।
   (ग) जब हम अपने विचारों को बोलकर प्रकट करते हैं, तब वह मौखिक भाषा कहलाती है।
   (घ) व्याकरण में भाषा को शुद्ध रूप में लिखना सिखाया जाता है।
   (ङ) जब हम अपने विचारों को लिखकर प्रकट करते हैं, तो वह लिखित भाषा कहलाती है।

रचनात्मक मूल्यांकन

- **चित्र देखकर उसके नीचे भाषा का रूप लिखिए-**
  मौखिक भाषा, लिखित भाषा।
- **वर्ग पहेली में से चार भाषाओं के नाम चुनकर लिखिए-**
  गुजराती, राजस्थानी, पंजाबी, तमिल।

पाठ-2 : वर्णमाला

संकलित मूल्यांकन

1. (क) वर्ण (ख) हलन्त (ग) अ
2. (क) ध्वनि का वह रूप जिसके और टुकड़े नहीं हो सकते, वर्ण कहलाता है।
   (ख) वर्णों का वह समूह जो एक निश्चित क्रम में रखा जाता है, उसे वर्णमाला कहते हैं।

(ग) वर्ण दो प्रकार के होते हैं—

(i) स्वर (ii) व्यंजन

(घ) संयुक्त व्यंजन- क्ष, त्र, ज्ञ, श्र

3. स्वयं कीजिए।

रचनात्मक मूल्यांकन

- **जोड़कर लिखिए-**

काला, मकान, लोकी, लड्डू

- **वर्णमाला के छूटे हुए वर्ण लिखिए-**

क, ख, ग, घ, ङ, च, छ, ज, झ, ञ,

ट, ठ, ड़, ढ़, ण, त, थ, द, ध, न,

प, फ, ब, भ, म

पाठ-3 : मात्राएँ

संकलित मूल्यांकन

1. (क) नहीं (ख) नहीं (ग) नहीं (घ) हाँ
2. (क) ऐ - ै (ख) आ - ा (ग) इ - ि

   (घ) ऊ - ू (ङ) ए - े
3. (क) व्यंजन से पहले लगने वाली मात्रा— इ (ि) होती है।

   (ख) व्यंजन के ऊपर लगने मात्राएँ— ए (े) और ए (ै) होती हैं।
4. बिल्ली, मुर्गी, खरगोश, कुत्ता

रचनात्मक मूल्यांकन

- **इन शब्दों पर अनुस्वार (ं) या अनुनासिक (ँ) लगाइए-**

पजा—पंजा, आगन—आँगन, आवला—आँवला, काटा—कांटा, रग—रंग, पतग—पतंग, शख—शंख, सिदूर—सिंदूर, आख—आँख, साप—साँप, पखा—पंखा

पाठ-4 : शब्द और वाक्य

संकलित मूल्यांकन

1. (क) वर्णों के सही मेल से (ख) शब्दों के सही मेल से (ग) आवश्यक है
2. (क) नितिन पानी पीता है। (ख) मैं कल खेलने गया था।

रचनात्मक मूल्यांकन

- **सही शब्दों पर गोला लगाइए-**

नमक, जगमग

- **निम्नलिखित शब्दों से पाँच वाक्य बनाइए-**

(क) कबीर पतंग उड़ा रहा है। (ख) नीरजा खाना खा रही है।

(ग) श्यामा पढ़ती है। (घ) नीरजा खेल रही है।

(ङ) कबीर मिठाई खा रहा है।

- **उचित वर्ण भरकर शब्द बनाइए-**

जल, कलरव, सरकस, तरबूज, अजगर

पाठ-6 : गिनती

संकलित मूल्यांकन

1. पाँच, दो, छह, चार, तीन, सात

पाठ-7 : लिंग

संकलित मूल्यांकन

1. (क) नहीं (ख) हाँ (ग) हाँ
2. मामा-मामी, चाचा-चाची, गुड्डा-गुड़ियाँ, माली-मालिन, बंदर-बंदरिया, धोबी-धोबिन
3. (क) शब्द के जिस रूप से उसके स्त्री जाति या पुरुष जाति के होने का पता चलता है, उसे लिंग कहते हैं।

   (ख) शब्द के जिस रूप से उसके स्त्री जाति होने का पता चलता है, उसे स्त्रीलिंग कहते हैं।

   (ग) शब्द के जिस रूप से उसके पुरुष जाति के होने का पता चलता है, उसे पुल्लिग कहते हैं।

रचनात्मक मूल्यांकन

- **चित्र देखकर सही शब्द भरिए-**

बनाती, पढ़ता, रही है, रही

- **सही मेल कीजिए-**

नाना जी-फल लाते हैं, शेर-दहाड़ता है, रेल-छुक-छुक करती है, चिड़िया-उड़ रही है, धोबिन-कपड़े धोती है।

- **सुमेल कीजिए–**
  दूल्हा–दुल्हन, मोटा–मोटी, काला–काली, ठिगना–ठिगनी, लंबा–लंबी

पाठ–8 : वचन

संकलित मूल्यांकन

1. (क) एकवचन (ख) बहुवचन (ग) एकवचन
2. अनेक, एक, एक, अनेक, अनेक, एक

रचनात्मक मूल्यांकन

- **दिए गए बॉक्स में कुछ शब्द एकवचन वाले हैं और कुछ बहुवचन वाले हैं। उन्हें ढूँढ़कर लिखिए–**

  एकवचन : टोकरी, चारपाई, चाबी, चिड़िया, टब

  बहुवचन : कटोरियाँ, केले, गुल्लकें, पैसे, ताले, गुड़ियाँ

पाठ–9 : संज्ञा

संकलित मूल्यांकन

1. (क) नाम (ख) संज्ञा (ग) हाँ

रचनात्मक मूल्यांकन

- **चित्र देखकर नाम लिखिए–**
  बिल्ली, आईस्क्रीम, पतंग, पलंग
- **संज्ञा शब्दों पर गोला लगाइए–**
  राजा, साबुन, देश, आम, नमक, मिर्च, मिठाई, रूमाल

पाठ–10 : सर्वनाम

संकलित मूल्यांकन

1. (क) हाँ (ख) सर्वनाम (ग) नहीं
2. **संज्ञा :** हाथी, बंदर, बेलन, जूता, बोतल, राजा

   सर्वनाम : वह, हम, तुम, वे
3. "जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें सर्वनाम कहते हैं।"

रचनात्मक मूल्यांकन

- **निम्न शब्दों में से सर्वनाम शब्दों पर गोला बनाइए–**

  मैं, यह, तुम, उस, आप
- **सर्वनाम शब्दों के नीचे रेखा खींचिए–**

  (क) मैं (ख) तुम (ग) वे (घ) यह

पाठ–11 : विशेषण

संकलित मूल्यांकन

1. (क) विशेषण (ख) हाँ
2. (क) शर्बत–ठंडा (ख) अचार–खट्टा
   (ग) घास–हरी (घ) चाय–गरम
   (ङ) मिर्च–तीखी (च) सागर–नीला

रचनात्मक मूल्यांकन

- **सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–**
  (क) मीठे (ख) पालतू (ग) सच (घ) हलका
- **विशेषण शब्दों पर गोला खींचिए–**
  मीठा, हरा, नया।

पाठ–13 : पर्यायवाची शब्द

संकलित मूल्यांकन

1. (क) भवन–घर, गृह, आलय (ख) पक्षी–खग, पंछी, विहग

   (ग) पहाड़–गिरि, शैल, पर्वत
2. (क) यामिनी, रजनी, रात (ख) सवेरा, प्रातः

   (ग) वाटिका, बगीचा, बाग (घ) दोस्त, बंधु

   (ङ) शरीर, काया (च) प्राचीन

कक्षा-2

पाठ–1 : भाषा और व्याकरण

संकलित मूल्यांकन

1. (क) 'भाष् धातु' (ख) मौखिक
   (ग) भारत (घ) भाषा के नियमों का
2. (क) भाषा एक ऐसा साधन है जिसके द्वारा मनुष्य अपने मन के भावों एवं विचारों को बोलकर तथा लिखकर प्रकट करता है तथा दूसरों के विचारों को पढ़कर एवं सुनकर ग्रहण करता है।
   (ख) जब हम अपने विचारों को बोलकर व्यक्त करते हैं, उसे मौखिक भाषा कहते हैं; जैसे–वार्तालाप, भाषण, समाचार–वाचन, कविता पाठ, नाटक इत्यादि। इसका ग्रहण हम कानों द्वारा सुनकर करते हैं।
   (ग) हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी, उर्दू, पंजाबी, बांग्ला।
   (घ) व्याकरण वह शास्त्र है जिसके द्वारा भाषा को बोलने और लिखने के शुद्ध रूप का ज्ञान होता है।

रचनात्मक मूल्यांकन

- **चित्र देखकर उसके नीचे भाषा का रूप लिखिए-**

  मौखिक भाषा, लिखित भाषा, लिखित भाषा, लिखित भाषा।

पाठ–2 : वर्ण और मात्राएँ

संकलित मूल्यांकन

1. **स्वर :** अ, ई, ओ, उ, ए **व्यंजन :** ट, न, प, फ, र, म, व
2. पलग–पलंग, अगूर–अंगूर, बास–बाँस, शख–शंख, फ्राक–फ्रॉक, डाक्टर–डॉक्टर, हस–हंस, बासुरी–बाँसुरी, क्रमश–क्रमशः, प्रात–प्रात: अक–अंक, दात–दाँत।
3. (क) वह छोटी–से–छोटी ध्वनि जिसके और टुकड़े नहीं हो सकते, उसे 'वर्ण' कहते हैं।
   (ख) जब किसी व्यंजन के साथ किसी स्वर का मेल होता है तो स्वर का रूप बदल जाता है। स्वर का यह बदला हुआ रूप ही मात्रा कहलाता है।

रचनात्मक मूल्यांकन

- **चित्र देखकर सही मात्राएँ लगाइए और शब्द पूरे कीजिए-**

  साबुन, टोकरी, पपीता, लीची, कृषक, समोसा, हथौड़ी, तितली
- **इन वर्णों का प्रयोग करते हुए दो-दो शब्द लिखिए-**

  डमरू, डफली, ढक्कन, ढोकला, सड़क, लड़ना, पढ़ाई, कढ़ाई।

पाठ–3 : शब्द और वाक्य

संकलित मूल्यांकन

1. (क) नहीं (ख) हाँ (ग) होता है
2. (क) दो या दो से अधिक वर्णों के सार्थक मेल को शब्द कहते हैं।
   (ख) जिस प्रकार वर्णों के सार्थक मेल से शब्द बनते हैं, उसी प्रकार शब्दों के सार्थक मेल से वाक्य बनते हैं।

रचनात्मक मूल्यांकन

- **वर्णों का विच्छेद कीजिए अर्थात् उन्हें तोड़कर लिखिए-**

  हरि– ह + ि + र, दूध– द + ू + ध; बालक–ब + ा + ल + क, पुस्तक–प + ु + स् + त + क
- **शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए-**

  (क) मैं कल बाजार गई थी। (ख) कल विद्यालय बंद रहेगा।
  (ग) प्रतिदिन व्यायाम करो।

पाठ–4 : लिंग

संकलित मूल्यांकन

1. मामा–मामी, चाचा–चाची, भैया–भाभी,
   मोर–मोरनी, चोर–चोरनी, सेठ–सेठानी
2. (क) मालिन ने फूल एकत्र किए। (ख) नौकरानी ने भोजन बनाया।
   (ग) अध्यापक ने कॉपियाँ जाँची। (घ) दुल्हन ने वरमाला पहनाई।
3. (क) जो शब्द किसी जाति विशेष का ज्ञान कराते हैं, वे लिंग कहलाते हैं।

रचनात्मक मूल्यांकन

- **शब्दों को समझकर सही बॉक्स में लिखिए-**

  स्त्रीलिंग–घड़ी, मोती, माला, छुरी, मौसमी **पुल्लिंग–**जेब, चाकू, घड़ा, केला, कमीज, संतरा, सेब

पाठ–5 : वचन

संकलित मूल्यांकन

1. झंडा–झंडे, पुस्तक–पुस्तकें, अंडा–अंडे, परदा–पर्दे, तौलिया–तौलिए, गुल्लक–गुल्लकें, चाबी–चाबियाँ, रेल–रेलगाड़ियाँ
2. (क) रही (ख) गई (ग) गया (घ) रहे
3. शब्द के जिस रूप से हमें उसके एक या अनेक होने का पता चलता है, उसे वचन कहते हैं। वचन दो प्रकार के होते हैं— (i) एकवचन (ii) बहुवचन

रचनात्मक मूल्यांकन

- **निम्नलिखित शब्दों को कॉलम में लिखिए–**

  एकवचन–गेंद, मुर्गी, चारपाई, बल्ला, तश्तरी, बस्ता, संतरी

  बहुवचन–साड़ियाँ, कमीजें, खिलौने, पतंगे, कुर्सियाँ, पुस्तकें
- **चित्र के नीचे लिखिए कि वह एकवचन है या बहुवचन–**

  बहुवचन, बहुवचन, एकवचन, बहुवचन, एकवचन, एकवचन
- **चित्र पहचानकर सही वचन लिखिए–**

  (1) बहुवचन (2) बहुवचन (3) एकवचन (4) बहुवचन

पाठ–6 : संज्ञा

संकलित मूल्यांकन

1. (क) महात्मा गाँधी, मदर टेरेसा (ख) मेज, थाली (ग) बिल्ली, गाय (घ) बाजार, बैंक
2. किसी वस्तु, स्थान, प्राणी या भाव, आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं।

पाठ–7 : सर्वनाम

संकलित मूल्यांकन

1. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓
2. (क) हम (ख) वे (ग) तुम्हारा (घ) उसकी
3. संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं।

रचनात्मक मूल्यांकन

- **सर्वनाम शब्दों के नीचे रेखा खींचिए–**

  (क) <u>उसने</u> मुझे उपहार दिया।

  (ख) सब्जी लाकर <u>हम</u> आराम करेंगे।

  (ग) <u>वे</u> देर रात तक गप्पे हाँकते रहे।

  (घ) <u>वह</u> ठंडे पानी से नहाता है।
- **निम्नलिखित शब्दों को चुनकर सही कॉलम में लिखिए–**

  संज्ञा–शीना, स्वीटी, नीना, मोहित, पुष्प, कमल, रितु

  सर्वनाम–हम, वह, तुम, वह, उसका, आप
- **गहरे छपे संज्ञा शब्दों के स्थान पर उचित सर्वनाम लिखिए–**

  नीना ने कहा कि उसको भूख लगी है।

  रमेश ने कहा कि उसके पास पैसे नहीं हैं।

  सुमन ने बताया कि उसे विद्यालय जाना है।

पाठ–8 : विशेषण

संकलित मूल्यांकन

1. चंचल–तितली, नीला–आसमान, दयालु–परी, शैतान–बंदर, सच्ची–घटना
2. (क) होशियार (ख) नरम (ग) ठंडी (घ) दो किलोमीटर
3. संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं।

रचनात्मक मूल्यांकन

स्वयं कीजिए।

पाठ–9 : क्रिया

संकलित मूल्यांकन

1. (क) दौड़ना (ख) नाचना (ग) गाना (घ) सोना (ङ) रोना
2. (क) खा रही है (ख) कूद रही है (ग) खेल रहा है (घ) लिख रहा है
3. जिन शब्दों से किसी काम का करना या होना पाया जाए, उन्हें क्रिया शब्द कहते हैं।

रचनात्मक मूल्यांकन

- **चित्र देखकर उसके नीचे होने वाली क्रिया की मूल धातु का नाम लिखिए–**

  उड़ना, पढ़ना, गाना, लिखना, टीवी देखना, तैरना

• **उचित क्रियापद छाँटकर वाक्य पूरे कीजिए-**

(क) बहती (ख) भौंकता (ग) खेलते (घ) गुन-गुन

पाठ-13 : पर्यायवाची शब्द

संकलित मूल्यांकन

1. (क) शशि (ख) नारी (ग) रजनी (घ) चमन
2. अग्नि-पावक, अनल, आग; मित्र-साथी, दोस्त, सखा; कपड़ा-चीर, अंबर, वस्त्र; पेड़-तरू, वृक्ष, विटप
3. समान अर्थ वाले शब्दों को पर्यायवाची या समानार्थक शब्द कहते हैं।

रचनात्मक मूल्यांकन

• **शब्दों को उनके पर्यायवाची शब्दों से मिलाइए-**

आकाश-आसमान, शरीर-काया, वायु-समीर, भगवान-हरि, पर्वत-पहाड़, जल-पानी

• **वर्ग पहेली में से समानार्थक शब्द ढूँढकर लिखिए-**

खुशी-आनंद, रात-रजनी, मित्र-दोस्त, नारी-महिला

पाठ-14 : विलोम शब्द

संकलित मूल्यांकन

1. आदर-निरादर, पाप-पुण्य, ठंडा-गर्म, दूर-पास, खुशबू-बदबू, स्वस्थ-अस्वस्थ
2. खरा-खोटा, ज्ञान-अज्ञान, मौखिक-लिखित, छोटा-बड़ा, अपना-पराया

रचनात्मक मूल्यांकन

• **चित्र देखकर शब्द और उसका विलोम लिखिए-**

गर्म-ठण्डा, ठण्ड-गर्मी, फूल-काँटा, राम-रावण, राजा-रंक

कक्षा-3

पाठ-1 : भाषा और व्याकरण

संकलित मूल्यांकन

1. (क) दो (ख) हिंदी

(ग) 14 सितंबर को (घ) देवनागरी

2. (क) केरल (ख) कर्नाटक (ग) आन्ध्र प्रदेश

(घ) महाराष्ट्र (ङ) गुजरात (च) पंजाब

3. (क) वैज्ञानिक (ख) 1949 (ग) रोमन (घ) भाषा

रचनात्मक मूल्यांकन

• **वाक्य के आगे लिखिए कि वह मौखिक भाषा का रूप है या लिखित भाषा का रूप है-**

मौखिक, लिखित, मौखिक, मौखिक, लिखित।

पाठ-2 : शब्द और वाक्य

संकलित मूल्यांकन

1. (क) वर्षा हो रही थी। (ख) मीना नाराज़ हो गई थी।

(ग) मुझे परीक्षा की तैयारी करनी है।

(घ) झूठ बोलना अच्छी बात नहीं है।

2. ईठामि-मिठाई, रनाअ-अनार, लाके-केला, मीमौस-मौसमी, लवचा-चावल
3. (क) दो या दो से अधिक वर्णों के सार्थक मेल को शब्द कहते हैं।

(ख) शब्दों के सार्थक मेल को वाक्य कहते हैं।

रचनात्मक मूल्यांकन

• **सार्थक शब्दों पर ✓ लगाइए-**

नीबू, शर्बत, तरकश, बैंगन, मूली, मठरी, कुर्ता।

• **मिलते-जुलते निरर्थक शब्द जोड़िए-**

चाय-वाय, रोटी-वोटी, दाल-वाल, पानी-वानी, चम्मच-वम्मच, चित्र-वित्र, पहाड़-वहाड़, दुकान-वुकान।

• **शब्द लड़ी बनाइए-**

कीमत, तरबूज

पाठ-3 : लिंग

संकलित मूल्यांकन

1. पर्वत-पुल्लिंग, नदी-स्त्रीलिंग, राजकुमारी-स्त्रीलिंग, गाँव-पुल्लिंग, सेविका-स्त्रीलिंग, राजा-पुल्लिग

2. (क) रानी डर गई। (ख) कटोरा गिर गया।
(ग) यह थाल गंदा है। (घ) समुद्र बह रहा था।
3. देवी-देवता, रानी-राजा, नौकरानी-नौकर, दादी-दादा, चाची-चाचा, मालिन-माली

रचनात्मक मूल्यांकन

- **चित्र देखकर शब्द और उसका विलोम लिखिए-**

स्त्रीलिंग—चटाई, घोड़ी, चुहिया, मूली, प्याज, गधी, पुड़िया, मिर्च
पुल्लिग—मोजे, फर्श, जूता, जाल, अखबार, कागज, नमक, धूप।

पाठ-4 : वचन

संकलित मूल्यांकन

1. (क) वचन (ख) एकवचन (ग) बहुवचन
2. पुस्तकें, कुर्सियाँ, पेन्सिलें, रोटियाँ, चिड़ियाएँ, नदियाँ, पौधे, मालाएँ
3. (क) तौलिए फट गये हैं। (ख) सोफों पर धूल है।
(ग) कमरे काफी बड़े हैं। (घ) गायें चर रही हैं।
4. (क) जो शब्द संख्या में एक होने का बोध कराते हैं, एकवचन कहलाते हैं।
(ख) जो शब्द संख्या में एक से अधिक होने का बोध कराते हैं, बहुवचन कहलाते हैं।

रचनात्मक मूल्यांकन

- **रिक्त स्थान में उचित शब्द भरिए-**

(क) पुस्तकें (ख) बेटे (ग) माँ (घ) गाय

- **रंगीन शब्दों के वचन बदलकर वाक्य पुनः लिखिए-**

(क) नीले आसमान में चिड़ियाँ उड़ रही हैं।
(ख) डॉक्टर ने दवाइयाँ लिखकर दीं।
(ग) मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं।
(घ) तालाब में मछलियाँ तैर रही हैं।

- **निम्नलिखित शब्दों को सही स्थान पर रखिए-**

एकवचन—मुर्गी, चिड़िया, मोमबत्ती, बताशा, छलनी, चारपाई, झाड़ू, सीढ़ी
बहुवचन—तोते, सुराहियाँ, नदियाँ, सींकें, लड़कियाँ

पाठ-5 : संज्ञा

संकलित मूल्यांकन

1. (क) सौंदर्य (ख) रामदेव
(ग) तीन (घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा
2. पुस्तक, गेंद, मिठाई, सुंदरता, मेज, पेन, लालकिला
3. बालक-व्यक्तिवाचक संज्ञा, मछली-जातिवाचक संज्ञा
दिल्ली-व्यक्तिवाचक संज्ञा मिठाई-भाववाचक संज्ञा
सुंदरता-भाववाचक संज्ञा गाय-जातिवाचक संज्ञा
4. (क) जिस संज्ञा शब्द से किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का पता चलता है, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।
(ख) जिन शब्दों से किसी व्यक्ति या वस्तु के गुण-दोष, स्थिति या भाव आदि का पता चलता है, वे शब्द 'भाववाचक संज्ञा' कहलाते हैं।

रचनात्मक मूल्यांकन

1. **उचित शीर्षक के नीचे लिखिए-**
व्यक्तिवाचक संज्ञा—मीना, रेशमा, अतुल, मदर टेरेसा
भाववाचक संज्ञा—मित्रता, बेईमानी, ईमानदारी, बचपन, बुढ़ापा
2. **चित्रों के नीचे उनके नाम (संज्ञा) व उनके संज्ञा भेद लिखिए-**
नदी-जातिवाचक संज्ञा; भगत-व्यक्तिवाचक संज्ञा; हिरन-जातिवाचक संज्ञा; बचपन-भाववाचक संज्ञा

पाठ-6 : सर्वनाम

संकलित मूल्यांकन

1. (क) सर्वनाम (ख) अपने
2. (क) वह (ख) तुम (ग) यह (घ) हमारा
3. (क) मैं **राधा हूँ।**

(ख) वह **रोज़ दो दर्ज़न केले खा जाता है।**

(ग) तुम **क्या ढूँढ़ रहे हो?**

(घ) हम **घूमने जा रहे हैं।**

4. जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, वे शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।

रचनात्मक मूल्यांकन

- **संज्ञा व सर्वनाम शब्दों को अलग-अलग लिखिए-**

संज्ञा–कुत्ता, पेंसिल, मोती, बंदर, चम्मच, रोटी, चारपाई

सर्वनाम–हम, उसका, वह, उसने, यह

1. **पढ़िए और जानिए-**

स्वयं कीजिए।

2. **जोर-जोर से सर्वनाम शब्द पढ़िए-**

स्वयं कीजिए।

3. **नीचे लिखे वाक्यों में सही सर्वनाम शब्द भरिए-**

(क) मैं (ख) तुम्हें (ग) वह (घ) हम, हमें

पाठ–7 : विशेषण

संकलित मूल्यांकन

1. स्वयं कीजिए। 2. स्वयं कीजिए।

3. स्वयं कीजिए। 4. स्वयं कीजिए।

5. (क) दो पीले मीठे केले (ख) पीला पपीता

(ग) लाल सेब (घ) हरे अंगूर

(ङ) हरी नाशपाती

6. स्वयं कीजिए।

पाठ–8 : क्रिया

संकलित मूल्यांकन

1. (क) क्रिया (ख) ये सभी

2. (क) सुनाओ (ख) सुनाऊँगी (ग) मिला

(घ) जा रही हूँ (ङ) देखने, हो जाएँगी

3. मैं नदी में तैरूँगी।

वह गीत सुन रहा है।

तुम चाय बनाओ।

4. जागना–जगाना, हँसना–हँसाना, उड़ना–उड़ाना, खेलना–खिलाना, माँगना–मँगाना

5. कह–कहना, डाँट–डाँटना, पी–पीना, बोल–बोलना, चीख–चीखना, सो–सोना, पूछ–पूछना, बता–बताना

पाठ–9 : अशुद्धि शोधन

संकलित मूल्यांकन

1. (क) सुबह (ख) वर्षा

2. राष्ट्रीय, झंडा, मुसीबत, बीमार, लाचार

3. (क) मुझे दो दिन की छुट्टी चाहिए।

(ख) हमें कभी झूठ नहीं बोलना चाहिए।

(ग) सच्चाई कभी नहीं छुप सकती।

(घ) तुम्हें रोज पढ़ाई करनी होगी।

पाठ–10 : विलोम शब्द

संकलित मूल्यांकन

1. (क) अँधेरा (ख) कायर

2. मीठा–कड़वा, कोमल–कठोर, मुलायम–सख़्त, तेज़–धीमा, मालिक–नौकर, हँसना–रोना, पास–दूर, देश–विदेश

3. (क) नया (ख) हारे (ग) पतला (घ) सुस्ती

4. प्रकाश–अंधकार, वीर–कायर, ताज़ा–बासी, भयभीत–निडर, उदय–अस्त, विश्वास–अविश्वास

रचनात्मक मूल्यांकन

- **विलोम के इन जोड़ों का प्रयोग अपने वाक्यों में कीजिए-**

(क) धनी व्यक्ति को निर्धन व्यक्ति की सहायता करनी चाहिए।

(ख) सच्चा मित्र सदैव सुख-दु:ख में साथ रहता है।
(ग) हमें किसी को भला-बुरा नहीं कहना चाहिए।
(घ) मित्र और शत्रु की पहचान सदैव कठिनाई के समय होती है।

पाठ-11 : पर्यायवाची शब्द

संकलित मूल्यांकन

1. (क) ध्वज (ख) पेड़
2. माता-जननी, माँ; पर्वत-पहाड़, गिरी; राजा-नरेश, नृप; उपवन-बाग, बगीचा; चंद्रमा-शशि, चाँद; कृष्ण-श्याम, मोहन
3. अमृत, गान, केतु, सम्राट

रचनात्मक मूल्यांकन

- **चित्र देखकर उनके दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-**

अश्व, घोटक

घन, भारी

अग्नि, ज्वाला

पाठ-14 : अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

संकलित मूल्यांकन

1. शहरी, दर्शक, जलचर, गायक, अध्यापिका।
2. नभचर—आकाश में रहने वाले जीव, सैनिक—सेना में काम करने वाला, श्रोता—सुनने वाले, वनचर-वनों में रहने वाले जीव, चालक-वाहन चलाने वाला।

रचनात्मक मूल्यांकन

- **सही मेल मिलाइए-**

जो मिठाई बनाता है—हलवाई; जो डाक लाता है—डाकिया; जो इलाज करता है—डॉक्टर; जो परिश्रम करता है-परिश्रमी; जो आज्ञा मानता है-आज्ञाकारी; जो मांस खाता है-मांसाहारी

पाठ-15 : मुहावरे

संकलित मूल्यांकन

1. रंग बदलना-चाल बदलना, हाथ साफ करना-चुराना, ईद का चाँद होना-बहुत समय के बाद मिलना, ठन-ठन गोपाल होना-धन न होना, माथा ठनकना-शक होना।
2. उल्लू बनाना—मूर्ख बनाना, चंपत होना—भाग जाना, विष घोलना—बुराई करना, काला अक्षर भैंस बराबर-अनपढ़, गागर में सागर-थोड़े शब्दों में बहुत कहना।

रचनात्मक मूल्यांकन

- **नीचे कुछ मुहावरे और उनके अर्थ दिए जा रहे हैं, उनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**

(क) अध्यापक जब कक्षा में पढ़ा रहे थे तो विद्यार्थियों के कान पर जूँ नहीं रेंग रही थी।
(ख) रोहन ने अपनी भूल पर अपने कान पकड़ लिये।
(ग) श्याम के अपना कार्य करते समय सदैव कान खड़े रहते हैं।
(घ) मोहन अपनी माँ की आँखों का तारा है।
(ङ) राधा का चोर को देखकर खून सूख गया है।
(च) माँ ने अपने पुत्र को गले से लगा लिया।
(छ) रमेश हमेशा दूसरों के काम में फालतू में टाँग अड़ाता है।
(ज) दिपावली पर सब घी के दीए जलाते हैं।
(झ) बच्चों ने अध्यापक की नाक में दम कर रखा है।

कक्षा-4

पाठ-1 : व्याकरण

संकलित मूल्यांकन

1.	(क) दो	(ख) हिन्दी	(ग) फारसी	(घ) गुरूमुखी
2.	(क) ✗	(ख) ✓	(ग) ✗	(घ) ✓
3.	(क) हिंदी	(ख) रोमन	(ग) दो	(घ) व्याकरण

4. (क) भाषा मन के भावों को प्रकट करने का साधन है।
(ख) बोलते समय हमारे मुख से ध्वनियाँ निकलती हैं, इन ध्वनियों को लिखने के लिए कुछ विशेष चिह्न होते हैं। ध्वनि-चिह्नों लिपि कहलाते हैं।

(ग) व्याकरण हमें भाषा को शुद्ध रूप से बोलना एवं लिखना सिखाता है।

(घ) व्याकरण में इस अंग के अंतर्गत वर्ण, वर्णमाला के भेद, उनके उच्चारण तक प्रयोग आदि पर विचार किया जाता है।

पाठ–2 : वर्ण विचार

संकलित मूल्यांकन

1. (क) वर्ण है (ख) अक्षर है (ग) वर्ण (घ) नहीं हो सकते
2. (क) राम (ख) माता (ग) जगह (घ) पुस्तक
3. (क) अयोगवाह—अं, अँ तथा अः अयोगवाह कहे जाते हैं। अं—यह अनुस्वार कहलाता है। इसका चिह्न (ं) है। इसका प्रयोग व्यंजन के ऊपर किया जाता है; जैसे—पंख, शंख, रंग, तरंग, पलंग, पतंग, आदि। अँ— (ँ) यह चन्द्रबिंदु या अनुनासिक कहलाता है। इसे भी व्यंजन के ऊपर ही लगाते हैं; जैसे—गाँव, पाँव, साँप, बाँसुरी, हँसमुख, आदि। अः—इसे विसर्ग कहते हैं। इसका उच्चारण 'अह्' की तरह किया जाता है; जैसे—प्रातः, क्रमशः, निःसहाय, निःसंकोच, आदि। (ख) व्यंजन के साथ चिह्न रूप में जुड़ने वाले स्वर ही मात्रा कहलाते हैं।

रचनात्मक मूल्यांकन

- **दिए गए वर्णों से बने कुछ शब्द लिखिए-**

क्ष—रक्षा, कक्षा, भिक्षा; त्र—छात्र, मित्र, पुत्र; ऑ—फ्रॉक, कॉलिज, डॉक्टर; रू—रूप, रूस, शुरू; रु—रुपया, गुरु, रुआँसा; ज्ञ—यज्ञ, ज्ञान, ज्ञाता; अं—रंग, तरंग, पलंग

- **वर्णों पर मात्राएँ इस प्रकार लगाएँ कि वह फूलों के नाम बन जाएँ तथा नामों को पुनः भी लिखें-**

गुलाब, चमेली, सूरजमुखी, गुड़हल

पाठ–3 : शब्द विचार

संकलित मूल्यांकन

1. (क) एक अर्थ (ख) सार्थक (ग) वर्णों से (घ) दो प्रकार के
2. रात-रात्रि, घी-घृत, पूत-पुत्र, माँ-माता, पाँच-पंच, घर-गृह, हाथ-हस्त, हाथी-गज

3. अंगुष्ठ-अंगूठा, रात्रि-रात, कच्छप-कछुआ, ग्रंथि-गाँठ, आम्र-आम, क्षेत्र-खेत
4. (क) वर्णों का वह सार्थक मेल जिसका एक निश्चित अर्थ होता है, शब्द कहलाता है। (ख) रोटी-वोटी, चाय-वाय, पानी-वानी

रचनात्मक मूल्यांकन

- **वर्णों का क्रम ठीक करके इन्हें सार्थक शब्द बनाइए-**

स्तपुक-पुस्तक, पष्पु-पुष्प, मनसु-सुमन, थीहा-हाथी, लीथा-थाली

- **शब्द लड़ी बनाइए-**

स्वयं कीजिए।

पाठ–4 : वाक्य विचार

संकलित मूल्यांकन

1. (क) वाक्य (ख) नाचता है (ग) दो
2. उद्देश्य—मोर, तमन्ना, बच्चा, कृष्ण, नेता

विधेय—नाच रहा है, पुस्तक पढ़ती है, सो गया, ने कंस को मारा, भाषण देता है।

3. (क) शब्दों के पारस्परिक मेल को जिससे पूर्ण अर्थ प्रकट हो, उसे 'वाक्य' कहते हैं। वाक्य के निम्नलिखित दो अंग होते हैं—(i) उद्देश्य (ii) विधेय

(ख) रचना के आधार पर वाक्य तीन प्रकार के होते हैं—

1. सरल वाक्य 2. संयुक्त वाक्य 3. निश्चित वाक्य

(ग) प्रयोग के आधार पर वाक्य आठ प्रकार के होते हैं—

1. विधानार्थक वाक्य 2. प्रश्नवाचक वाक्य
3. निषेधात्मक वाक्य 4. आज्ञार्थक वाक्य
5. इच्छार्थक वाक्य 6. संकेतार्थक वाक्य
7. संदेहार्थक वाक्य 8. विस्मयादिबोधक वाक्य

रचनात्मक मूल्यांकन

स्वयं कीजिए।

पाठ–5 : लिंग

संकलित मूल्यांकन

1. (क) लिंग (ख) पुरुष (ग) स्त्रीलिंग
2. प्रिया–प्रिय, ठाकुर–ठकुराइन, याचक–याचिका, जाटनी–जाट, बहनोई–बहन, सास–ससुर
3. **पुल्लिंग–**कागज, नाव, चूहा, माली, जूता; **स्त्रीलिंग–**मोती, पकौड़ी, नदी, पेंसिल, चटनी
4. वर–वधू, पुत्र–पुत्री, नर–नारी, शिष्य–शिष्या, चोर–चारनी, घोड़ा–घोड़ी, डिब्बा–डिब्बी, लोहार–लोहारिन
5. (क) गई (ख) गए (ग) लगी (घ) पड़ी
6. (क) चिड़िया (ख) गायिका (ग) पड़ोसिन (घ) धोबी (ङ) बालिका

पाठ–6 : वचन

संकलित मूल्यांकन

1. (क) वचन (ख) एकवचन (ग) पुस्तक
2. **एकवचन–**छुरी, मेज, टोकरी, साड़ी, चूहा, मोमबत्ती, इस्तरी, कंचा
   बहुवचन–झंडे, पतंगें, चूड़ियाँ, कॉपियाँ, चम्मचें, थालियाँ, मेजें, साड़ियाँ
3. (क) उसकी साड़ियाँ नई थीं। (ख) उसने मिठाई खाई।
   (ग) कुर्सियाँ बाहर रख दो। (घ) कलशों में जल भर लाओ।
4. **एकवचन–**शब्द के जिस रूप से उसके एक होने का पता चलता है, उसे **एकवचन** कहते हैं; जैसे–कुर्सी, चूड़ी, खिड़की आदि।
   बहुवचन–शब्द के जिस रूप से उसके एक से अधिक होने का पता चलता है, उसे **बहुवचन** कहते हैं। जैसे–कुर्सियाँ, चूड़ियाँ, खिड़कियाँ आदि।
5. **नीचे कुछ शब्द दिए जा रहे हैं, उनका सही वचन (रूप) वाक्य के अनुसार लिखकर वाक्य पूरे कीजिए–**
   (क) नये, कपड़े (ख) युवती, कंगन (ग) जंगलों (घ) गुच्छों

पाठ–7 : संज्ञा

संकलित मूल्यांकन

1. (क) नाम (ख) पुरुषवाचक (ग) दोनों (घ) महानगर

2. (क) व्यक्तिवाचक (ख) व्यक्तिवाचक (ग) भाववाचक
   (घ) भाववाचक (ङ) भाववाचक
3. (क) परिश्रम (ख) ईद (ग) हरिद्वार (घ) लाल
4. (क) जो शब्द किसी भाव, दशा, अवस्था या गुण–दोष आदि का बोध कराते हैं, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं।
   (ख) किसी विशेष व्यक्ति, प्राणी, वस्तु या स्थान के नाम को व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

रचनात्मक मूल्यांकन

स्वयं कीजिए।

पाठ–8 : सर्वनाम

संकलित मूल्यांकन

1. (क) सर्वनाम (ख) संक्षिप्तता लाने हेतु (ग) निश्चयवाचक
2. (क) तुम (ख) वह (ग) आप (घ) अपनी
3. (क) वह (ख) वे, स्वयं (ग) स्वयं (घ) वह
4. (क) किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध कराने वाले सर्वनाम निश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।
   (ख) प्रश्न पूछने के लिए जिन सर्वनामों का प्रयोग किया जाता है, वे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

रचनात्मक मूल्यांकन

- **निम्नलिखित संज्ञा व सर्वनाम शब्दों को उचित स्थान पर अलग–अलग लिखिए–**
  संज्ञा–गुल्लक, पत्ता, हवा, कलश, वृक्ष, कुम्हार
  सर्वनाम–मैं, हम, वह, तुम, आप, तू

पाठ–9 : विशेषण

संकलित मूल्यांकन

1. (क) विशेषण (ख) विशेष्य (ग) मेधावी (घ) संख्यावाचक
2. युवती–आकर्षक, संगीत–मधुर, सूचना–शुभ, जंगल–घना, झंडा–तिरंगा

• **दिए गए चित्रों के लिए दो-दो विशेषण लिखिए-**

फुर्तीला, सुन्दर, मोटा, चतुर, नाजुक, छोटा

पाठ-10 : क्रिया

संकलित मूल्यांकन

1. (क) क्रिया (ख) तीनों
   (ग) सकर्मक (घ) सकर्मक क्रिया
2. (क) शरारती (ख) रो (ग) बना (घ) पढ़ी
3. (क) थे (ख) दिया (ग) बनवाया (घ) जड़वाए

पाठ-11 : शब्द भंडार

संकलित मूल्यांकन

1. (क) प्रार्थना (ख) दोनों
   (ग) वस्त्र, आकाश (घ) संसार, शिव
2. आम्र, कपोत, मयूर, उलूक
3. गो-गाय, मयूर-मोर, भ्रातृ-भाई, काक-कौआ, वानर-बंदर, शाक-सब्जी, क्षीर-खीर, दधि-दही, नृत्य-नाच, अक्षि-आँख
4. (क) शार्मिला कामचोर है। (ख) नीलेश परिश्रमी है।
   (ग) शशि के भाई मूर्तिकार हैं। (घ) यह काम आसान है।
5. कविता लिखने वाला—कवि; जल में रहने वाला-जलचर; नीचे लिखा हुआ-निम्नलिखित; साथ पढ़ने वाला-सहपाठी
6. ऐसे शब्द जो वाक्याशों के बदले प्रयोग किए जाते हैं, वे वाक्याशों के लिए एक शब्द नाम से जाने जाते हैं।
7. प्रेम-प्रीति, प्रात:-सुबह, आकाश-अंबर, पुत्र-सुत, नदी-सलिला
8. पानी—जल, नीर, पेय; नारी—महिला, स्त्री, अबला; वृक्ष—पेड़, तरू, पादप; ईश्वर—प्रभु, हरि, भगवान
9. उत्तर-दक्षिण, सुर-असुर, आशा-निराशा, अंधकार-उजाला, कठिन-आसान, अमृत-विष, शांति-अंशाति, पतझड़-बसंत
10. (क)असाहसी (ख)दुख (ग)शांति

11. (क)गृह (ख)समान (ग)बाहर
    (घ) नीड़ (ङ) दिन

पाठ-12 : विराम-चिह्न

संकलित मूल्यांकन

1. (क) रुकना (ख) (;)
   (ग) योजक चिह्न (घ) लाघव चिह्न
2. (क) ? (ख) !
   (ग) ! (घ) । (ङ) ।
3. (क) ✓ 4. (ग) ✓

रचनात्मक मूल्यांकन

स्वयं कीजिए।

पाठ-13 : मुहावरे

संकलित मूल्यांकन

1. (क) कोई नहीं (ख) बहुत प्यारा
   (ग) एकमात्र सहारा (घ) बहुत बोलना
2. (क) धन का अभाव—बेटी के विवाह के वक्त अगर हाथ खाली हों तो कितनी चिंता होती है।
   (ख) परिश्रम से बचना—काम से जी मत चुराना वरना कभी आगे नहीं बढ़ोगे।
   (ग) तेज चलना—अरे! हवा से बातें करते कहाँ चले जा रहे हो?
   (घ) बहाने बनाना—मेहनत से पढ़ो; अगर-अगर मत करो।

पाठ-18 : अपठित गद्यांश

संकलित मूल्यांकन

1. (क) ईद की (ख) मुसलमान
   (ग) त्योहार की खुशी में सूरज की गरमी महसूस ही नहीं हो रही थी।
   (घ) एक पवित्र महीना (ङ) ईदगाह

2. (क) राष्ट्रपिता
   (ख) लोगों की भलाई के बड़े-बड़े काम करना
   (ग) दूसरों का सहारा न लेना
   (घ) रघुपति राघव राजा राम (ङ) गाँधी जी

कक्षा-5

पाठ-1 : भाषा और इसकी महत्ता

संकलित मूल्यांकन

1. (क) तीन (ख) हिंदी
   (ग) अंग्रेजी (घ) देवनागरी
2. पूर्वी हिंदी-अवधी पश्चिमी हिंदी-ब्रजभाषा
   बिहारी हिंदी-भोजपुरी पहाड़ी-गढ़वाली
3. (क) विचारों का आदान-प्रदान ही भाषा है। भाषा ही अभिव्यक्ति का वह सशक्त साधन है जिसके द्वारा हम अपने मन के विचारों को भली-भाँति प्रकट कर सकते हैं तथा दूसरे के विचारों से अवगत हो सकते हैं।
   (ख) भाषा के दो रूप हैं— मौखिक भाषा, लिखित भाषा।
   (ग) भाषा के लिखने की विधि को लिपि या मौखिक ध्वनियों को लिखित रूप में प्रकट करने वाले चिह्नों को लिपि कहते हैं।
   (घ) व्याकरण वह विज्ञान है, जिसके द्वारा हम अपने मन के विचारों को शुद्ध रूप में लिखकर अथवा शुद्ध रूप में प्रकट कर सकें। भाषा के शुद्ध ज्ञान के लिए व्याकरण-शास्त्र को जानना अति आवश्यक है। व्याकरण शब्द कई शब्दों के मेल से बना है। **व्याकरण के अंग**— वर्ण विचार, शब्द विचार, वाक्य विचार।

रचनात्मक मूल्यांकन

- **भारत के निम्नलिखित राज्यों में बोली जाने वाली भाषा का नाम लिखिए –**
  पंजाबी, बिहारी, हरियाणवी, बंगाली, राजस्थानी, असमी, गुजराती, तमिल, मराठी, हिंदी

पाठ-2 : वर्ण विचार

संकलित मूल्यांकन

1. (क) सात (ख) 35 (ग) अंत:स्थ
   (घ) चार (ङ) अयोगवाह
2. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗
3. **स्वर-**आसमान, आकांक्षा, ईर्ष्या, अभिमान, आज, उन्नति **व्यंजन-**व्यक्ति, हर्ष, विद्यालय, शृंगार, पराजय, विकसित, फराकाष्ठा, तुम
4. (क) जो वर्ण किसी अन्य वर्ण की सहायता के बिना बोले जाते हैं, उन्हें स्वर कहते हैं। स्वर दो प्रकार के होते हैं—
   (i) ह्रस्व स्वर, तथा (ii) दीर्घ स्वर।
   (ख) (i) **ह्रस्व स्वर-**जिन स्वरों को बोलने में कम समय लगता है, उन्हें ह्रस्व स्वर कहते हैं। ह्रस्व स्वर चार होते हैं; अ, इ, उ, ऋ।
   (ii) **दीर्घ स्वर**—जिन स्वरों को बोलने में अधिक समय लगता है, उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं। दीर्घ स्वर सात होते हैं; आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ।
   (ग) **अंत:स्थ व्यंजन**—अंत:स्थ का अर्थ है—मध्य में स्थित। जिन व्यंजनों के उच्चारण में जीभ मुँह के अंदर के भागों को बहुत थोड़ा-सा स्पर्श करती है, उन्हें अंत:स्थ व्यंजन कहते हैं। य, र, ल, व अंत:स्थ व्यंजन हैं।
   (घ) **द्वित्व व्यंजन**—जब एक व्यंजन ध्वनि अपने जैसी अन्य व्यंजन ध्वनि से मिलती है, तो उसे द्वित्व व्यंजन कहते हैं।
   जैसे-क् + क = क्क = पक्का; ज् + ज = ज्ज = सज्जन; च् + च = च्च = सच्चा; म् + म = म्म = सम्मान

पाठ-3 : शब्द विचार

संकलित मूल्यांकन

1. इस्तीफ़ा-त्यागपत्र, डॉक्टर-चिकित्सक, कोर्ट-न्यायालय, प्रिंसिपल-प्रधानाचार्य, शादी-विवाह, मरीज़-रोगी, टाइम-समय, फीस-शुल्क, स्कूल-विद्यालय, साइंस-विज्ञान
2. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✗

3. (क) अंधकार, अग्नि, कुपुत्र (ख) अँधेरा, आग, कपूत
(ग) कपास, टिंडा, तोरई (घ) अपील, आइसक्रीम, इंजीनियर
(ङ) तोता, घोड़ा, छत

4. (क) दो या दो से अधिक वर्णों के सार्थक मेल को शब्द कहते हैं; जैसे—नाव, दवाई, आगरा, पुस्तक, आदि। शब्दो का निम्नलिखित तीन आधारों पर वर्गीकरण किया जा सकता है— 1. उत्पत्ति के आधार पर 2. बनावट के आधार पर 3. प्रयोग के आधार पर (ख) बनावट के आधार पर शब्द तीन प्रकार के होते हैं—(i) रूढ़ शब्द (ii) यौगिक शब्द (iii) योगरूढ़ शब्द (ग) **यौगिक शब्द-**जो शब्द दो या दो से अधिक शब्दों के सार्थक खंड़ों के मेल से बनते हैं, उन्हें यौगिक शब्द कहते हैं; जैसे—साहपाठी = सह + पाठी, मिठाईवाला = मिठाई + वाला (घ) **विकारी शब्द-**जिन शब्दों के रूप में वचन, लिंग, पुरुष तथा काल के कारण कुछ विकार पैदा हो जाते हैं, उन्हें विकारी शब्द कहते हैं। जैसे— बच्चा, बच्चे, उसने आदि। **अविकारी शब्द-**जिन शब्दों के रूप में प्रयोग करते समय कोई परिवर्तन नहीं होता, उन्हें अविकारी शब्द कहते हैं। जैसे— आज, नहीं, जल्दी, अवश्य आदि।

रचनात्मक मूल्यांकन

स्वयं कीजिए।

पाठ-4 : वाक्य विचार

संकलित मूल्यांकन

1. (क) वाक्य (ख) नाचता है (ग) दो

2. उद्देश्य—मोर, तमन्ना, बच्चा, कृष्ण, नेता

विधेय—नाच रहा है, पुस्तक पढ़ती है, सो गया, ने कंस को मारा, भाषण देता है।

3. (क) शब्दों के पारस्परिक मेल को जिससे पूर्ण अर्थ प्रकट हो, उसे 'वाक्य' कहते हैं। वाक्य के निम्नलिखित दो अंग होते हैं—(i) उद्देश्य (ii) विधेय (ख) रचना के आधार पर वाक्य तीन प्रकार के होते हैं— 1. सरल वाक्य 2. संयुक्त वाक्य 3. मिश्रित वाक्य (ग) प्रयोग के आधार पर वाक्य आठ प्रकार के होते हैं— 1. विधानार्थक वाक्य 2. प्रश्नवाचक वाक्य 3. निषेधात्मक वाक्य 4. आज्ञार्थक वाक्य 5. इच्छार्थक वाक्य 6. संकेतार्थक वाक्य 7. संदेहार्थक वाक्य 8. विस्मयादिबोधक वाक्य

रचनात्मक मूल्यांकन

स्वयं कीजिए।

पाठ-5 : संज्ञा

संकलित मूल्यांकन

1. (ग) पुरुषवाचक (ख) ये सभी (ग) महाभारत

2. कोलकाता-व्यक्तिवाचक संज्ञा, हँसी-भाववाचक संज्ञा, बकरी-व्यक्तिवाचक संज्ञा, रूमाल-जातिवाचक संज्ञा, महाराणा प्रताप-व्यक्तिवाचक संज्ञा

3. जिन संज्ञा शब्दों से किसी भाव, दशा, गुण, दोष या कार्य, आदि का पता चलता हैं; उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

पाठ-6 : लिंग, वचन और कारक

संकलित मूल्यांकन

1. (क) सर्वनाम (ख) कोई नहीं (ग) रोटियाँ (घ) करण कारक

2. स्त्रीलिंग—चुहिया, नदी, कटोरी, बरफी, चाबी, कुर्सी, मछली

पुल्लिग—चाँद, शेर, चम्मच, हाथी, थाल, समोसा, मेज

3. मछली—मछलियाँ, कुरता-कुर्ते, पूरी-पूरियाँ, कला-कलायें, रुपया-रुपये, आँख-आँखें, रोटी-रोटियाँ, बेटा-बेटे

4. वाक्य में संज्ञा अथवा सर्वनाम के जिस रूप में से वाक्य के दूसरे शब्दों से उसका संबंध पता चलता है, उसे कारक कहते है।

रचनात्मक मूल्यांकन

- **दिए गए कारक चिह्नों का प्रयोग करते हुए एक-एक वाक्य लिखिए-**

का—वह हिन्दी का काम कर रहा है।
के लिए—रोना, नीता के लिए ऊन लायी है।
से—पेड़ से पत्ते गिरे।
हे—हे राम! इतनी निर्धनता।
पर—इसे स्टोव पर रख दो।

- **रिक्त स्थान में उचित कारक शब्द भरिए-**

(क) ने, के लिए (ख) से

पाठ–7 : सर्वनाम

संकलित मूल्यांकन

1. (क) कोई नहीं (ख) निश्चयवाचक
   (ग) संबंधवाचक (घ) निजवाचक
2. (क) मेरे (ख) वह (ग) मुझे (घ) हमें
3. (क) हम (ख) वह (ग) आज (घ) तुम

पाठ–8 : विशेषण

संकलित मूल्यांकन

1. (क) विशेषण (ख) विशेष्य (ग) विशेष्य
2. कर्कश—आवाज़, सुनहरी-धूप, गुनगुनी-रज़ाई, काली-रात, दयालु-राजा
3. (क) प्रिय (ख) विशाल (ग) हरी
   (घ) दो (ङ) नटखट
4. ऊँचा—पहाड़ा, ताज़ा-खाना, लंबा-लड़का, नया-कपड़ा, खट्टा-अचार, पुराना-अखबार, मीठा-सेब, पहला-पेपर, रसीला-आम, अंतिम-लड्डू

रचनात्मक मूल्यांकन

- **इस विशेषणों की उत्तमावस्था लिखिए-**

  श्रेष्ठ—श्रेष्ठतम, मधुर-मधुरतम, कटु-कटुतम, उच्च-उच्चतम

पाठ–9 : क्रिया

संकलित मूल्यांकन

1. (क) क्रिया (ख) दोनों (ग) सकर्मक
2. भाषण-देना, पत्र-लिखना, सच-बोलना, सब्ज़ी-पकाना, गीत-गाना, नृत्य-करना
3. लिख-लिखना, लिखता, लिखेगा; पढ़-पढ़ना, पढ़ता, पढ़ेगा; रो-रोना, रोता, रोएगा; हँस-हँसना, हँसता, हँसेगा
4. (क) शुभा पत्र लिखेगी। (ख) भीड़ जमा हो गयी।
   (ग) तुम कहाँ रहती हो? (घ) जलेबी ठंडी हो गयी।

5. **सकर्मक क्रिया**-वाक्य में जब क्रिया के साथ कर्म का प्रयोग होता है तो वह सकर्मक क्रिया कहलाती है।

   अकर्मक क्रिया-जिस क्रिया के साथ कर्म का प्रयोग नहीं होता, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं।

रचनात्मक मूल्यांकन

स्वयं कीजिए।

पाठ–10 : अविकारी शब्द

संकलित मूल्यांकन

1. (क) क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द क्रिया-विशेषण कहलाते हैं। (ख) क्रिया विशेषण के निम्नलिखित चार भेद होते हैं— 1. **कालवाचक क्रिया-विशेषण**— ये शब्द क्रिया के होने के समय का ज्ञान कराते हैं; जैसे—कल शाम हम छः बजे पिकनिक पर जाएँगे। 2. **परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण**—गिलास दूध से आधा भरा हुआ है। 3. **स्थानवाचक क्रिया-विशेषण**—ये शब्द क्रिया के होने के स्थान का ज्ञान कराते हैं; जैसे—बाहर देखो, कुत्ता इधर-उधर घूम रहा है। 4. **रीतिवाचक क्रिया**-विशेषण— वर्षा तेज़ हो रही है।
2. (क) यहाँ, स्थानवाचक क्रिया-विशेषण
   (ख) तेज, रीतिवाचक क्रिया-विशेषण
   (ग) मुस्कुराकर, रीतिवाचक क्रिया-विशेषण
   (घ) अभी, कालवाचक क्रिया-विशेषण
   (ङ) वहीं, स्थानवाचक क्रिया-विशेषण
   (च) घर, कालवाचक क्रिया-विशेषण
3. (क) घर (ख) इधर (ग) रोज
   (घ) नीचे (ङ) हमेशा (च) तेज

अभ्यास

1. (क) के बिना (ख) के अंदर (ग) के पास
   (घ) की तरह (ङ) के पीछे
2. (क) को देखकर (ख) की ओर (ग) की आज्ञा
   (घ) के सामने (ङ) के नीचे

अभ्यास

1. (क) तो (ख) परन्तु (ग) क्योंकि
   (घ) और (ङ) वरना

अभ्यास

1. (क) ओह! (ख) हाय रे! (ग) ओ
   (घ) छि: छि: (ङ) वाह!
2. सावधान-आराम से चलो। काश!—मैं भी दिल्ली जाता। अरे!—तुम्हें क्या हो गया है?; शाबाश!-तुमने अच्छा कार्य किया।

पाठ-11 : काल

संकलित मूल्यांकन

1. (क) तीन
   (ख) वर्तमान काल
   (ग) मोहन कल आएगा
2. (क) घनघोर घटा छा गई थी।
   (ख) रजनी यहाँ आ गई है।
   (ग) नानी कहानी सुनाऐगी।
3. (क) वर्तमान काल (ख) भविष्यत् काल
   (ग) भूतकाल (घ) भविष्यत् काल

रचनात्मक मूल्यांकन

- **निम्नलिखित क्रियाओं को काल के अनुसार उचित शीर्षक के नीचे लिखिए-**

  भूतकाल-सोचा, लिखा, सो रही थी; **वर्तमान काल-**जा रहा है, रो रही है, पढ़ रहे हैं; **भविष्यत् काल-**खाएगा, नाचेगा, खेलेंगे।

पाठ-12 : विराम-चिह्न

संकलित मूल्यांकन

1. (क) प्रश्नवाचक चिह्न (ख) (;) (ग) योजक चिह्न

पाठ-13 : शब्द भंडार

संकलित मूल्यांकन

1. (क) सूर्य (ख) मकान (ग) आदेश
3. सुर-देवता, षट्पद-भ्रमर, स्वर्ण-हेम, खेतिहर-हलधर, दैत्य-राक्षस, सर्प-अहि। यामिनी-निशा, अनिल-समीर, अनल-पावक, तड़ाग-सरोवर, आकांक्षा-अभिलाषा, दिवस-वार
4. स्वयं कीजिए

पाठ-14 : शुद्ध वाक्य प्रयोग

संकलित मूल्यांकन

1. (क) क्या तुम मुझे मिठाई नहीं दोगी?
   (ख) तुम मुझसे क्या चाहते हो?
   (ग) मैंने उसे अनेक बार समझा दिया हैं।
   (घ) एक नदी यहाँ कल-कल करके बहती थी।
   (ङ) हमने आपकी बहुत बातें सुन लीं।
2. स्वयं कीजिए।
3. व्याकरण, प्रार्थना, आयोग, कृपया, परीक्षा, पुस्तक, पंक्तियाँ, विशेष, उदाहरण, स्वादिष्ट
4. (क) बड़ी मुश्किल से आपका घर ढूँढ़ा। (ख) वहाँ नहीं बैठेंगे।

पाठ-15 : मुहावरे तथा लोकोक्तियाँ

संकलित मूल्यांकन

1. स्वयं कीजिए।
2. स्वयं कीजिए।

अभ्यास

1. (क) चिकना घड़ा। (ख) ताली एक हाथ से नहीं बजती।
   (ग) काला अक्षर भैंस बराबर (घ) अपनी खिचड़ी अलग पकाना।
   (ङ) ऊँट के मुँह में जीरा। (च) उलटा चोर कोतवाल को डाँटे।

■■■